

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर निर्मित

पाठ्यक्रम

आचार्य व्याकरण प्रथम सत्रार्द्ध

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

[संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित]

जनकपुरी नई दिल्ली

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 16

पाठ्यक्रम विवरणम् -

सञ्ज्ञा-परिभाषा-स्वरसन्धि-विमर्शः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

आदितः 'मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः' इति सूत्रव्याख्यान्तो भागः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' 'इत्यतः संयोगे गुरु' इति सूत्रव्याख्यान्तो भागः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

'इको गुणवृद्धी' इत्यतः 'अकृतव्यूहाः पाणिनीयाः' इति परिभाषाव्याख्यान्तो भागः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

'इको यणचि' इत्यतः 'न पदान्तद्विर्वचनवरे-यलोपस्वरसवर्णानुस्वारदीर्घजश्चर्विधिषु' इति सूत्रव्याख्यान्तो भागः।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - लघुशब्देन्दुशेखरः

सहायकग्रन्थाः - (1) षट्टीकोपेतः (2) भैरवीव्याख्योपेतः (3) सुबोधिनीव्याख्योपेतः

(4) दीपिकाव्याख्योपेतः (5) गुरुप्रसादव्याख्योपेतः

(6) बालबोधिनीव्याख्योपेतः (7) प. नित्यानन्दपर्वतीयव्याख्योपेतः

(8) लघुशब्देन्दुशेखरस्वाध्यायः 'एप'। (डिजिटलसहायकसामग्री) प्रस्तोता

– प्रो. बोधकुमारझा:

अथवा

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 16

पाठ्यक्रम विवरणम् -
द्वितीयतृतीयाह्निके

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘अइउण्’ इत्यतः ‘ऐऔच्’ इति सूत्रव्याख्यान्तो भागः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘हयवरट्’ इत्यतः ‘झभञ्’ इति सूत्रव्याख्यान्तो भागः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘वृद्धिरादैच्’ इति सूत्रव्याख्यानम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘इको गुणवृद्धी’ इति सूत्रव्याख्यानम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - पातञ्जलमहाभाष्यम्।

सहायक ग्रन्थाः -

- (1) प्रदीपोद्योतसहितम्
- (2) चारुदेवशास्त्रिकृतव्याख्योपेतम्
- (3) प.भीमसिंहवेदालङ्कारकृतव्या ख्योपेतम्
- (4) प.जयशङ्करलालत्रिपाठिकृतव्याख्योपेतम्

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 17

पाठ्यक्रम विवरणम् -

अजन्तशब्दसिद्धिविमर्शः।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्’ इत्यतः ‘अनभावे तु स्मै भवत्येव’ इति वाक्यान्तो भागः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘जराया जरसन्यतरस्याम्’ इत्यतः ‘रायो हलि’ इति सूत्रव्याख्यान्तो भागः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘रमयतेः पचाद्यच्’ इत्यतः कृन्मेजन्तसूत्रस्थ ‘भाष्यस्वरसः’ इति वाक्यव्याख्यान्तो भागः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘अतोऽम्’ इत्यतः ‘एकदेशिन इति न तद्विरोध इत्यलम्’ इति वाक्यव्याख्यान्तो भागः।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - लघुशब्देन्दुशेखरः ।

सहायक ग्रन्थाः -

- (1) षट्टीकोपेतः (2) भैरवीव्याख्योपेतः (3) सुबोधिनीव्याख्योपेतः (4) दीपिकाव्याख्योपेतः
- (5) गुरुप्रसादव्याख्योपेतः (6) बालबोधिनीव्याख्योपेतः (7) प.नित्यानन्दपर्वतीयव्याख्योपेतः
- (8) लघुशब्देन्दुशेखरस्वाध्यायः ‘एप’ । (डिजिटलसहायकसामग्री) प्रस्तोता – प्रो. बोधकुमारझाः

अथवा

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 17

पाठ्यक्रम विवरणम् -

चतुर्थपञ्चमाह्निके

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘न धातुलोप आर्धधातुके’ इत्यतः ‘दीधीवेवीटाम्’ इति सूत्रान्तो भागः ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘हलोऽनन्तराः संयोगः’ इत्यतः ‘नाज्जलौ’ इति सूत्रान्तो भागः ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्’ इत्यतः ‘ईदूतौ च सप्तम्यर्थे’ इति सूत्रान्तो भागः ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘दाधा ध्वदाप्’ इत्यतः ‘क्तक्तवतू निष्ठा’ इति सूत्रान्तो भागः ।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - पातञ्जलमहाभाष्यम् ।

सहायकग्रन्थाः -

- (1) प्रदीपोद्योतसहितम्
- (2) चारुदेवशास्त्रिकृतव्याख्योपेतम्
- (3) प.भीमसिंहवेदालङ्कारकृतव्याख्योपेतम्
- (4) प.जयशङ्करलालत्रिपाठिकृतव्याख्योपेतम् ।

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 18

पाठ्यक्रम विवरणम् -

शास्त्रत्वसम्पादनोद्देशतन्त्रम्।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

आदितः 'कार्यमनुभवन्हि कार्यी निमित्ततया नाश्रीयते' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

'यदागमास्तद्गुणीभूतास्तद्ग्रहणेन गृह्यन्ते' इत्यतः 'भाव्यमानोऽप्युकारःसवर्णान् गृह्णाति' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

'वर्णाश्रये नास्ति प्रत्ययलक्षणम्' इत्यतः 'कृद्ग्रहणे गतिकारकपूर्वस्यापि ग्रहणम्' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

'पदाङ्गाधिकारे तस्य च तदन्तस्य च' इत्यतः 'एकदेशविकृतमनन्यवत्' इति परिभाषाव्याख्यानान्तम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - परिभाषेन्दुशेखरः।

सहायकग्रन्थाः -

- (1) भूतितत्त्वप्रकाशिकाव्याख्योपेतः
- (2) विजयाव्याख्योपेतः
- (3) नागेशगूढार्थदीपिकोपेतः
- (4) बालबोधिनीव्याख्योपेतः
- (5) दुर्गाटीकोपेतः
- (6) सुबोधिनीव्याख्योपेतः

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 19

पाठ्यक्रम विवरणम् -

सुबर्थ-नामार्थ-समासशक्ति-शक्ति-निपातार्थ-विचारः।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘आश्रयोऽवधि०’ इति कारिकातः ‘सुपां कर्मादयोऽप्यर्थाः०’ इति कारिकाव्याख्यानान्तः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. ‘एकं द्विकम्०’ इत्यतः ‘अत एव गवित्याह०’ इति कारिकाव्याख्यानान्तः।
2. ‘सुपां सुपा०’ इत्यतः ‘पर्यवस्यच्छाब्द०’ इति कारिकाव्याख्यानान्तः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘इन्द्रियाणाम्०’ इति कारिकातः ‘सम्बन्धिशब्दे सम्बन्धो०’ इति कारिकाव्याख्यानान्तः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

‘द्योतकाः प्रादयो येन०’ इति कारिकातः ‘निपातत्वं परेषाम्०’ इति कारिकाव्याख्यानान्तः।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - वैयाकरणभूषणसारः।

सहायकग्रन्थाः -

- (1) प्रभादर्पणव्याख्योपेतः
- (2) तत्त्वदर्शिनीव्याख्योपेतः
- (3) शाङ्करीव्याख्योपेतः
- (4) दीपिकाव्याख्योपेतः
- (5) प. ब्रह्मदत्तद्विवेदिकृतव्याख्योपेतः
- (6) नरसिंहव्याख्योपेतः
- (7) वैयाकरणभूषणसारतत्त्वमीमांसा
- (8) सुबोधिनीव्याख्योपेतः।